एम.ए., एम.बी.ए.च्या परीक्षा सुरळीत

कोल्हापूर : शिवाजी विद्यापीठाच्या गुरुवारी घेण्यात आलेल्या एम.ए., एम.बी.ए. अभ्यासक्रमाच्या परीक्षा सुरळीत झाल्या. २७ ऑक्टोबरपासून सुरू झालेल्या अंतिम वर्षाच्या अंतिम सत्राच्या परीक्षा ज्यांना देता आल्या नाहीत, अशा विद्यार्थ्यांच्या पुनर्परीक्षा १७ डिसेंबरपासून घेण्यात येत आहेत.

एम.ए., एम.कॉम.साठी ऑनलाईन अर्ज प्रक्रिया

कोल्हापूर (पुढारी वृत्तसेवा) : शैक्षणिक वर्ष २०२०-२१ मधील एम.ए.(सर्व विषय) व एम.कॉम. भाग-१ या नियमित अभ्यासक्रमांसाठी २८ डिसेंबरपर्यंत ऑनलाईन प्रवेश अर्ज मागविण्यात येत आहेत. ज्या विद्यार्थ्यांनी यापूर्वी ऑनलाईन रजिस्ट्रेशन केले आहे, त्यांनी पुन्हा रजिस्ट्रेशन करू नये. याबाबतची माहिती विद्यापीठाच्या www.unishivaji.ac.in या संकेतस्थळावर देण्यात आली आहे, अशी माहिती कुलसचिव व्ही. डी. नांदवडेकर यांनी दिली.

वैमनिकॉम व शिवाजी विश्वविद्यालय के बीच समझौता

नवभारत न्यूज नेटवर्क

पुणे. सहकारिता क्षेत्र की विख्यात प्रशिक्षण संस्था वैमनिकॉम का यशवंतराव चव्हाण स्कूल ऑफ रूरल डेवलपमेंट के बीच सम कोल्हापुर के शिवाजी विश्वविद्यालय में हाल ही में समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए. इस समय शिवाजी विश्वविद्यालय के कुलगुरु डॉ. डी. टी. शिर्के, उपकुलगुरु प्रा. पी. एस. पाटिल, रजिस्ट्रार डॉ. विलास नांदवड़ेकर समेत वैमनिकॉम के डाइरेक्टर डॉ. के. के. त्रिपाठी, सह प्रोफेसर डॉ. यशवंत पाटिल उपस्थित थे. समझोता ज्ञापन विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रमों, अनुसंधान और परामर्श गतिविधियों के लिए दोनों संस्थानों को लाभान्वित करेगा.

अंतरराष्ट्रीय प्रतिभागियों के साथ बढ़ेगा सहयोग

डॉ. यशवंत पाटिल ने विभिन्न गतिविधियों और वैमनिकॉम तथा वाईसीएसआरडी के बीच सहयोग के संभावित क्षेत्रों के बारे में स्पष्ट रूप से गतिविधियों की जानकारी दी. इस समझौते के चलते सार्क देशों के प्रतिभागियों के लिए कृषि बैंकिंग में अंतर्राष्ट्रीय सहयोग, प्रशिक्षण और वाईसीएसआरडी के संकाय को अपने देश के सहकारी आंदोलन की स्थिति जानने के लिए अंतर्राष्ट्रीय प्रतिभागियों के साथ बातचीत करने की सुविधा प्रदान की जाएगी. डॉ. त्रिपाठी ने अपने संबोधन में सहयोग की आवश्यकता पर विस्तार से जानकारी दी.

सहकारिता क्षेत्र की बढ़ेगी जानकारी

प्रो. डॉ. डी. टी. शिर्के ने कहा कि, यह सर्वोत्तम समय है जब विभिन्न सहकारी क्षेत्र के मुद्दों को अनुसंधान, प्रशिक्षण कार्यक्रमों के आयोजन, संकाय के आदान-प्रदान तथा भारत और विदेश के प्रतिभागियों के एक्सपोज़र विज़िट के माध्यम से व्यावहारिक सहयोग किया जाए. इससे प्रतिभागियों को सहकारिता के विभिन्न क्षेत्रों के सफलता की जानकारी प्राप्त करने का अवसर भी प्राप्त होगा. इस समय वाईसीएसआरडी की उप निदेशक डॉ. वैशाली भोसले ने समारोह का संयोजन किया. डॉ. विलास नांदवडेकर ने सभी के आभार प्रकट किए.